उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी
(स्वायत्तशासी संस्था)
नैक पुनर्मूल्यांकित 'B' ग्रेड

Udai Pratap College, Varanasi
(Autonomous Institution)
NAAC Re-accredited 'B' Grade

College with Potential for Excellence, DST-FIST & DBT-Star College
Phone: 0542-2282399, Fax- 0542-2282399, email: principalupc@gmail.com, Website: www.upcollege.ac.in

दिनांक 09.03.2022

कॉलेज के छात्र छात्राओं को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

छात्र-छात्राओं ने सीखा सूक्ष्मजीव संवर्धन एवं संरक्षण की आधुनिक तकनीकी

उदय प्रताप कॉलेज वाराणसी के जंतु विज्ञान विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो का भ्रमण कराया गया| इस अवसर पर बीएससी के छात्र-छात्राओं के लिए ब्यूरो के वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान, प्रयोगशाला भ्रमण, व व्यक्तिगत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया| पादप रोग विज्ञान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार शर्मा ने विभिन्न परिस्थितिकी क्षेत्रों के सूक्ष्मजैविक संसाधनों एवं उनके संवर्धन व संरक्षण के बारे में बताया| उन्होंने किसानों की आमदनी दुगनी करने में सूक्ष्मजीवों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला तथा जैविक खादों के प्रयोग को बढ़ावा देने की बात कही| कोरोना महामारी से बचाव हेतु बनाए जा रहे टीकों में सूक्ष्मजीवों की उपयोगिता पर भी चर्चा की तथा बताया कि इस तरह की महामारी से भविष्य में बचने के लिए सूक्ष्मजैविक जगत की सतत निगरानी आवश्यक है| प्रधान वैज्ञानिक डॉ. हिलोल चक्रधर ने सूक्ष्मजैविक निवेशद्रव्य की पादप पोषक तत्व प्रबंधन में भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया| उन्होंने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से वातावरण प्रदूषित हो रहा है जिससे अनेक बीमारियां फैल रही हैं| साथ ही फसलों की उत्पादकता भी दिनोंदिन कम होती जा रही है| ऐसे में जैविक उर्वरकों खासकर सूक्ष्मजीवों के प्रयोग से कम लागत में ही न केवल उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है बल्कि पर्यावरण भी संरक्षित किया जा सकता है| प्रधान वैज्ञानिक डॉ आलोक श्रीवास्तव ने सूक्ष्मजीवों की विविधता, उनके आणविक अध्ययन एवं जीनोम अनुक्रमण के बारे में बताया| कार्यक्रम के संयोजक डॉ पवन कुमार शर्मा ने ब्यूरो का भ्रमण कराया| इस दौरान छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रयोगशालाओं में जाकर अत्याधुनिक उपकरणों जैसे फ्लोरोसेंस माइक्रोस्कोप, कन्फोकल माइक्रोस्कोप, आरटी पीसीआर, इलेक्ट्रोफॉरेसिस इकाई, माइक्रोसेंट्रीफ्यूज के बारे में जानकारी प्राप्त किया तथा सूक्ष्मजीव संवर्धन एवं संरक्षण की विभिन्न तकनीकों के बारे में सीखा| यह भ्रमण डीबीटी स्टार कॉलेज स्कीम की संयोजक डॉक्टर तुमुल सिंह एवं सह-संयोजक डॉ. संजय कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में संपन्न हुआ| इस दौरान डॉ. अश्विनी कुमार निगम, दीपक एवं अमरजीत मौजूद रहे|